

दिनांक 25.05.2023 को संपन्न हुई 20वीं पी0आर0ई0एम0 (PREM) वर्ष की द्वितीय बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थिति

(A) प्रशासन पक्ष

(B) संघ पक्ष

क्र० सं०	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	क्र० सं०	नाम (सर्वश्री)	पदनाम
1	नीलमणि	मरेप्र	1.	शिव प्रसाद यादव	मंडल अध्यक्ष, ई.सी.आर.के.यू.
2	एम०एम० प्रसाद	अमरेप्र-॥	2.	बबलू कुमार	संयुक्त मंत्री, ई.सी.आर.के.यू.
3	योगेश कुमार	अमरेप्र-।	3.	नवेन्द्र कुमार	मंडल अध्यक्ष, AISCTREA / सोनपुर
4	दीपक राज राय	मकाधि (प्रभारी)	4.	संतोष कुमार	मंडल मंत्री, AISCTREA / सोनपुर
5	डा० तनवीरुद्दीन	मुचिधि (प्रभारी)			
6	अभिजात कुमार	वमविई (टीआरओ)			
7	अभिषेक कुमार	वमविई (टीआरडी)			
8	इम्तियाज आलम	वमचाप्र			
9	अमित कुमार सिंह	वमविप्र			
10	राजेश कुमार	वमयाई			
11	सुदर्शन पाण्डेय	सी०सी०डी०ओ० / डेमू शेड			
12	कुमार परमानंद	वमसाप्र			
13	रविन्द्र कुमार राज	मई (मु०)			
14	अजय कुमार	ससुआ			
15	नरेन्द्र कुमार	समवाप्र			
16	चन्द्र किशोर	सकाधि-।			

मकाधि(प्रभारी) का सम्बोधन : सर्वप्रथम, मकाधि (प्रभारी)-सह-सचिव प्रेम ग्रुप के द्वारा मरेप्र-सह-अध्यक्ष, अमरेप्र, शाखाधिकारी एवं प्रेम ग्रुप के घटक सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। साथ ही, उन्होंने कहा कि मरेप्र महोदय के मार्गदर्शन में इस वर्ष की द्वितीय बैठक आहुत किया जा रहा है। आज की बैठक का विषय है "रेलवे सुरक्षा और संरक्षा का एक सिस्टम रिव्यू", मुझे पूरा विश्वास है कि आज की बैठक में आप सभी विषय वस्तु के दायरे में अपना बहुमूल्य सुझाव देंगे तथा चर्चा के दौरान प्राप्त सुझाव को कार्यान्वित करते हुये हम रेलवे को और प्रभावी ढंग से संरक्षित और सुरक्षित तरीके से परिचालित कर पायेंगे।

श्री शिव प्रसाद यादव, मंडल अध्यक्ष, ईसीआरकेयू का सम्बोधन : बैठक के उभय पक्ष के सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया तथा सभागार में उपस्थित यूनियन एवं एशो० के प्रतिनिधिगण, को हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही, मंडल में आयोजित बैठकों को ससमय कैलेण्डर के अनुसार कराने के लिए मरेप्र महोदय एवं मकाधि/प्रभारी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि विगत दिनों में मंडल में बहुत सारे कार्य हो रहे हैं, जिसके लिए पूरी सोनपुर मंडल की टीम बधाई के पात्र हैं। आज के चर्चा बिन्दु पर इनके द्वारा दिये गये सुझाव निम्नरूपेण है:

1. गाड़ियों के सुरक्षित और संरक्षित परिचालन में सबसे महत्वपूर्ण हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी हैं।

- हम तभी गाड़ी सुरक्षित और संरक्षित रूप से परिचालित कर सकते हैं, जब हमारे कर्मचारी तनावमुक्त रहें। इसलिए हमारे कर्मचारी तनावमुक्त रहें इसका हमें ध्यान रखना चाहिए। कर्मचारियों के घर-परिवार में कोई समस्या है, उसको भी दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके लिए पूर्व में भी हमारे मंडल में इस प्रकार के अभियान चलाये गये हैं। कार्य के दौरान हमारे रनिंग कर्मचारी किसी प्रकार के तनाव में नहीं रहने चाहिए।
2. कर्मचारी शांतचित्त कार्य करें, उसके लिए उन्हें समय-समय पर मेडिटेशन भी कराया जाने का प्रावधान किया जाए।
 3. पटरियों की आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान दिया जाये।
 4. बड़ी लाइन नेटवर्क में मानव रहित गेटों को समाप्त किया जाये। लेवल क्रॉसिंग समाप्त होने की अवधि तक गेट मित्रों को बहाल किया जाये।
 5. राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में पर्याप्त रकम रखी जाए।
 6. सेफ्टी संबंधित क्रिया कलापों में व्यय को बढ़ाया जाए।
 7. गाड़ी के रेकों को ICF यानों से LHB यानों में बदला जाए।
 8. भारतीय रेल की पटरियों में रेल चेतावनी प्रणाली (ट्रेन प्रोटेक्शन एवं वार्निंग सिस्टम) को प्रयोग में लाना चाहिए। इस प्रणाली का उद्देश्य यह ही है कि खतरा के समय गाड़ी में स्वतः ब्रेक लग जाता है।
 9. सभी लोको एवं गार्ड बोगी को टक्कर रोधी संयंत्र (एंटी कॉल्यूजन डिवाइस) से युक्त किया जाना चाहिए।
 10. सभी यानों में आग एवं धुआं खोजी यंत्र (फॉयर एण्ड स्मोक डिटेक्शन सिस्टम, एफ0एस0डी0एस0) को लगाया जाये। इससे यानों में आग लगने पर तुरंत पता चल सकेगा और गाड़ी रोककर संभावित खतरे को टाला जा सकता है।
 11. कवच ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को भारतीय रेल सभी ट्रेकों पर जल्द से जल्द लगाया जाना चाहिए। इस तकनीक के लग जान से आमने सामने ट्रेन आ जाने पर टक्कर नहीं होगी।
 12. इन सब बातों के अतिरिक्त बरौनी डिपो की समस्या की ओर ध्यानाकृष्ट कराते हुए कहा कि वहां कम कर्मचारियों की संख्या बल के बावजूद गाड़ियों को समय सीमा के अंदर फिट देने का बहुत दबाव रहता है, परंतु वहां पर गाड़ियों को फिट देने हेतु सामाग्री की कमी के कारण दूसरे यानों का सामान निकालकर रैक को फिट किया जा रहा है। जिससे पुनः दूसरे रैक को फिट देने में काफी समय लग जाता है। अतः वहां पर जो सामाग्री की कमी है उसे तुरंत दूर किया जाए।

श्री बबलू कुमार, संयुक्त मंत्री/ईसीआरकेयू : बैठक में उपस्थित अपने कर्मचारी यूनियन तथा अजा-अजजा एशो0 के प्रतिनिधियों तथा सभा में उपस्थित तमाम अधिकारियों का स्वागत करते हुए आज के विषय पर ईसीआरकेयू के मंडल अध्यक्ष द्वारा दिये गये सुझावों का समर्थन करते हुए कुछ अपने सुझाव व्यक्त किये:

1. हाल के दिनों में मंडल के गेटों पर सांकेतिक रूप में हुये दुर्घटना के परिप्रेक्ष्य में हमलोगों द्वारा एनालाइज करने पर पाया कि जिन गेटों पर इस प्रकार की गड़बड़ी हुई वहां पर गेटमैन का कम अनुभवी होना तथा प्रशिक्षण का अभाव था। अतः गेटमैनों की पदस्थापना के समय वरीयता क्रम का ध्यान रखा जाए तथा उनको सही ढंग से प्रशिक्षित कराकर ही गेटों पर तैनात किया जाए।
2. गेटमैनों, की-मैन आदि का प्रत्येक माह में प्रशिक्षण, रिफ्रेशन और काउंसलिंग कराया जाना चाहिए। हम सुरक्षित परिचालन तभी कर सकते हैं जब हमारे कर्मचारी चाहे वे रनिंग के कर्मचारी हो या मेनटेनेन्स के कर्मचारी वे पूर्ण रूप से प्रशिक्षित हों।
3. रनिंग कर्मचारी का रोड लर्निंग अवश्य कराया जाना चाहिए। हमारे मंडल में रोड लर्निंग के मामले में काफी अच्छा कार्य किया जा रहा है।
4. हमारे मंडल में सीएलआई के द्वारा लॉबी में सलोपा और वरीय सलोपा को **counseling** कराया जा रहा है। परंतु कुछ ऐसे कर्मचारी अभी हैं, जिनको काउंसल किये जाने की आवश्यकता है।

ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित कर **counseling** कराया जाए।

5. हमारे यहां जितने भी सेफ्टी सेमिनार होते हैं उसमें शामिल कुछ कर्मचारी के चेहरे काफी कॉमन हैं। जो कर्मचारी जागरूक हैं और सीखने की इच्छा है वे तो शामिल होते हैं परंतु काफी कर्मचारी इससे बचते हैं। इसीलिए सेफ्टी सेमिनार को शेड्यूल वाइज तथा कर्मचारी के नाम से कराया जाए और सेमिनार में पहले से चिह्नित कर्मचारी को प्रोपर स्पेयर कर **counseling** कराया जाये।
6. समय पालन की चिंता से ज्यादा हमें सेफ्टी पर ध्यान रखा जाना चाहिए।

श्री नवेन्द्र कुमार, मंडल अध्यक्ष, AISCTREA का सम्बोधन : बैठक में उपस्थित यूनियन एवं एशोसिएसन के प्रतिनिधिगण तथा सभा में उपस्थित तमाम अधिकारियों का स्वागत करते हुए आज के विषय पर ईसीआरकेयू के प्रतिनिधिगणों द्वारा दिये गये सुझावों पर समर्थन देते हुए आज के मद पर उनके द्वारा दिए गए सुझाव निम्नलिखित हैं:

1. कर्मचारियों को प्रोपर रेस्ट दिया जाए।
2. सेफ्टी कैटेगरी के रनिंग कर्मचारियों को नियमित रूप से रिफ्रेशर कोर्स कराया जाना चाहिए।
3. वर्कशॉप में भी समय-समय पर सेफ्टी ड्राइव चलाया जाना चाहिए।
4. सिग्नल प्रणाली के अनुरक्षण में खासा ध्यान रखा जाना चाहिए।

श्री संतोष, मंडल मंडल मंत्री, AISCTREA का सम्बोधन : बैठक में उपस्थित यूनियन एवं एशोसिएसन के प्रतिनिधिगण तथा सभा में उपस्थित तमाम अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस बैठक में कीमती वक्त निकालकर आने के लिए सभा में उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए आज के विषय पर निम्न सुझाव दिये गए:

1. हमारे ट्रैकमैन का भी समय-समय पर काउंसलिंग कराया जाना चाहिए।
2. ट्रैकमैन को कार्य हेतु दिये गये सेफ्टी डिवाइस का प्रयोग कैसे करते हैं, उसका भी प्रशिक्षण कराया जाना चाहिए।
3. बरसात के दिनों में ट्रैक धंसने की समस्या रहती है। अतः बरसात के पूर्व ट्रैक का गहन निरीक्षण करते हुए उसका अनुरक्षण सुनिश्चित किया जाये।
4. वर्तमान परिदृश्य में कर्मचारियों का वर्कलोड काफी बढ़ा है इसीलिए पर्यवेक्षक स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण किया जाना चाहिए।
5. अनुरक्षण डिपो में सामाग्री की कमी को जल्द से जल्द दूर किया जाये।
6. मंडल के डिपो में ऐसे कई जगह हैं जहां पर चोरी की संभावना रहती है। वैसे चिह्नित स्थानों पर रेलवे सुरक्षा बल को ड्यूटी पर लगाया जाये।

श्री अमित कुमार सिंह, वमविप्र/सोन: सभा में उपस्थित तमाम अधिकारियों एवं कर्मचारी यूनियन तथा एशो0 के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि सुरक्षित एवं संरक्षित परिचालन की प्रक्रिया में कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा अपने कार्य के प्रति हमेशा सजग एवं सतर्क रहना चाहिए।

डा0 तनवीरुद्दीन, मुचिधि (प्रभारी) : जो भी कर्मचारी मंडल में चिकित्सीय सलाह लेने आते हैं, वे कार्य के दबाव का वृतांत सुनाते हुए जल्द से जल्द देखने की अपील करते हैं। अतः पर्यवेक्षक या नियंत्रक अधिकारी के स्तर पर वैसे कर्मचारियों को भेजते समय संवेदनशील रवैया अपनाते हुए उन्हें चिकित्सीय सलाह प्राप्त करने हेतु उचित समय की छूट दी जानी चाहिए।

मो0 इम्तियाज आलम वमचाप्र : हमारा सिस्टम सर्विस आर्गेनाइजेशन है। सर्विस आर्गेनाइजेशन में समयपालन एक अति महत्वपूर्ण विषय है। यदि समयपालन नहीं होगा तो उससे कॉस्ट बढ़ जाता है। यदि हम समयपालन के प्रतिबद्ध नहीं होंगे तो सुरक्षा एवं संरक्षा प्रभावित होती है। इसीलिए हमें समयपालन के साथ-साथ संरक्षित एवं सुरक्षित ट्रेन का परिचालन करना आज के परिदृश्य में जरूरी है।

श्री अभिजात कुमार वमविड़ (टीआरओ) : भारतीय रेल में ट्रेनों के संरक्षित एवं सुरक्षित परिचालन में टी0आर0ओ0 विभाग का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। हमलोगों द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी ड्राइवर का साइनिंग ऑफ 12 घंटे से उपर नहीं हो। ट्रेन चालकों का प्रोपर रोड लर्निंग का हमलोगों के द्वारा सिस्टम इंप्रुव किया गया है। लगातार काउंसलिंग कराई जा रही है। कर्मचारियों की सजगता के लिए लगातार सेफ्टी सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। लोको पायलट को ट्रॉबुलशीट के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

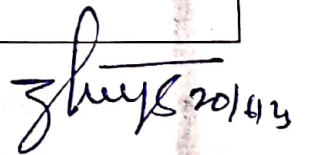
श्री रविन्द्र कुमार राज, मई मुख्यालय : ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन में हमारे कर्मचारी का महत्वपूर्ण योगदान है। मेरा मानना है कि हम जब कभी निरीक्षण पर जाएं वहां पर कार्यरत किसी एक अच्छे कार्य कर रहे कर्मचारी को ऑन स्पॉट पुरस्कृत किया जाना चाहिए, इससे कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि होती है और अन्य कर्मचारी के कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। यदि कर्मचारी अच्छे से कार्य नहीं कर रहे हैं तो उन्हें दण्डित भी किया जाना चाहिए। परन्तु सार में एक ही बात है कि यदि किसी एक कर्मचारी को पनीशमेन्ट दिया जाये तो वहां पर कार्यरत चार कर्मचारी जो अच्छे कार्य कर रहे हैं, को पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

श्री योगेश कुमार, अमरेप्र-। : आज का जो विषय है, "रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा का सिस्टम रिव्यू", वह काफी लॉजिकल विषय है। मेरा हमेशा से यही पहलू रहा है कि ट्रेन परिचालन में संरक्षा और समय पालन का ध्यान रखा जाए। इसके लिए हमलोगों द्वारा कई सारी संरक्षा ड्राइव आयोजित की जा रही है। हमलोगों को हरेक प्रोसेस को चिह्नित करना चाहिए और जो भी पहलू हमारे रेल के संरक्षा को खतरे में डालता है या उससे खतरे की संभावना है या जो भी बाधाएँ हैं उसे पहचान कर हमें दूर करना है। जो भी पर्यवेक्षक हैं उनको अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का ध्यान रखना चाहिए। हमें हमेशा रेल में zero accident policy को कैसे सफल बनाये उसपर अग्रसर रहना चाहिए। समयपालन भी काफी महत्वपूर्ण है। दोनों चीजें एक दूसरे पारामाउंट है।

श्री एम0एम0 प्रसाद, अमरेप्र-।। : आज के चर्चा बिन्दु "रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा का सिस्टम रिव्यू" पर यूनियन एवं एशो0 के द्वारा कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया, उसके अनुपालन से निश्चित तौर पर सुरक्षा एवं संरक्षा बिन्दुओं में आवश्यक सुधार आयेगा। रेलवे एक वृहत संस्था है और चीजें करने का विधान है। चाहे परिसंपत्तियों का निर्माण करना हो, या अनुरक्षण का कार्य करना हो या चाहे गाड़ियों के परिचालन संबंधित कार्य का संपादन हो। हमें समय-समय पर जो व्यवस्था बनी है उसको रिव्यू करना पड़ता है। हमारे यहां सबसे बड़ी समस्या है नॉलेज शेयरिंग की और जो निर्देश है उसको डाउन द लाइन बताने की। जो भी कार्य संपादित करना होता है उसके लिए नियम बनाये गये हैं और उसकी जानकारी नीचे स्तर तक नहीं पहुंच पा रही है, यह एक बड़ी समस्या है। इसको हमें डाउन द लाइन के कर्मचारियों के बीच प्रसारित करना पड़ेगा। कर्मचारियों के पारिवारिक इश्यू भी काफी महत्वपूर्ण है, इसमें हम कर्मचारियों को कैसे मदद कर पायें इसका भी समाधान खोजने की आवश्यकता है। सेफ्टी ड्राइव के माध्यम से हम सिस्टम को अच्छा कर सकते हैं।

श्री नीलमणि, मरेप्र : यूनियन, एशो0 के प्रतिनिधिगण तथा सभा में उपस्थित तमाम अधिकारीगण को प्रेम की पहली बैठक में स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आज का टॉपिक बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज के टॉपिक में रेलवे की सुरक्षा एवं संरक्षा के सिस्टम रिव्यू की बात है। रेलवे की सेफ्टी बहुत ही बड़ा विषय है, उस पर ध्यान रखना है। अन्य परिचालिक संस्था यथा- रोडवेज, एयरवेज, आदि की तुलना में रेलवे सिस्टम एक ऐसा सिस्टम है जो बाई डिजाइन सेफ्टी मोड ऑपरेटेड है। सिस्टम में हमेशा बदलाव होते हैं, जिसे रेलवे में इंट्रोड्यूस किया जाता है और उसके ऑपरेशन के लिए प्रोपर लेड डाउन प्रोसिजर होता है, जैसे पहले की अपेक्षा हमारे सिग्नलिंग में काफी सारे बदलाव हुए हैं। रेलवे शुरू से ही बाई-डिजाइन सबसे सुरक्षित है। रेलवे में एक्सीडेंट काफी कम होते हैं। परन्तु यदि होते हैं, तो उसकी सिवियरटी काफी अधिक होती हैं। जान-माल का नुकसान भी अधिक होता है। इसीलिए हमेशा से रेलवे का स्लोगन रहा है: सेफ्टी फर्स्ट। हमेशा रहा है, आज भी है और कल भी रहेगा। सेफ्टी से कंप्रोमाइज करके कोई कार्य नहीं होना चाहिए। जो भी

मैन्यूअल, रूल्स हैं, वह सेफ्टी से कंप्रोमाइज करने की अनुमति नहीं देता है। मेनटेनेन्स का कार्य कैसे संपादित करना है, उसके लिए मेनटेनेन्स मैन्यूअल है। निरीक्षण कैसे करना है, गाड़ियों का परिचालन कैसे करना है सब वेल्ड लेड डाउन है। इसमें समय के साथ-साथ नई टेक्नोलॉजी आती है, उसके अनुसार सुधार होता रहता है। इनको क्रियान्वित करने हेतु दो चीजें हैं: पहला मैन पावर और दूसरा टेक्नोलॉजी। जो भी टेक्नोलॉजी है उसका इंसपेक्शन करना है। ट्रैक का अनुरक्षण करना है, गाड़ियों का परिचालन करना है। इन सभी कार्य को अच्छे ढंग से संपादित करने के लिए हमारे पास मैन पावर भी पर्याप्त होने चाहिए। जो हमारे पास मैन पावर है, उन्हें टेक्नोलॉजी को अच्छे ढंग से क्रियान्वित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए। अनुरक्षण कार्य हेतु पर्याप्त सामग्री उपलब्ध होने चाहिए। यदि हम इन सभी चीजों को ठीक कर लें, तो हम सेफ्टी को इंप्रूव कर पायेंगे। संरक्षा का लॉग लीड पार्ट मैनिंग पार्ट है और आज के तारीख में हम इस परिप्रेक्ष्य में पिछले सात-आठ सालों के वनिस्पत कंफरटेबल जोन में हैं। हमारे जो भी अधिकारी हैं, निरीक्षक हैं, वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का ध्यान अवश्य रखें। टी0आई0 और सी0एल0आई0 के अधीन जो कर्मचारी कार्यरत हैं, उनका लगातार काउंसलिंग होते रहना चाहिए। हमारे पास चैलेन्ज यह है कि हमारे पास जो टेक्नोलॉजी है, उसे सही ढंग से समझना है और सही ढंग से उसका क्रियान्वित करना है। टेक्नोलॉजी के माध्यम से जो भी डेटा हमें प्राप्त होता है उसका सही ढंग से एनालाइज कर हमें सिस्टम को इंप्रूव करना है। सेफ्टी का इन्चायरमेंट पहले से ज्यादा चैलेंजिंग है। आज के परिदृश्य में ऑपरेशन ज्यादा है, सेफ्टी का एक्सपेक्शन ज्यादा है और सेफ्टी का टारगेट शून्य है। यह बहुत ही ज्यादा चैलेंजिंग टारगेट है। इसलिए सब लोगों को माइंडसेट तैयार रखना है कि सेफ्टी से कोई कंप्रोमाइज रेलवे नहीं कर सकता है। सेफ्टी है तो रेलवे है और सेफ्टी है तो हम हैं, यह स्लोगन को हमेशा ध्यान में रखना है। आज की चर्चा के दौरान एक महत्वपूर्ण इश्यू उठाया गया, वह था मैटेरियल की कमी का, खासकर डिपो में। यहां पर उपस्थित स्टोर, डेमू शेड, टीआरएस, समाडि आदि, अपने यहां रिव्यू करें और जो भी जरूरी सामग्री हो उसको प्रोक्वायर करें। वर्तमान में अनुरक्षण करने के लिए सामग्री की खरीदी हेतु फण्ड की कोई कमी नहीं है। इसीलिए अनुरक्षण के दौरान सामग्रियों की कमी हरगिज नहीं होनी चाहिए। हमें यह पता है कि टारगेट जीरो है और उसको एचिव करना ही है। सभी लोग इस बात को ध्यान में रखें कि हमें सेफ्टी से कोई कंप्रोमाइज नहीं करना है। जो भी कार्य है यदि हम उसको दिये गये प्रोस्यूर से करेंगे तो हम जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य को हासिल कर ही लेंगे।



(दीपक राज राय)
मकाधि (प्रभारी)/सोन